JUST LET GOD LOVE YOU

बस परमेश्वर को स्वयं से प्रेम करने दो

Carl H. Stevens Jr.

कार्ल एच स्टीवेंस जूनियर

Grace Publications

बस परमेश्वर को

स्वयं से प्रेम करने दो

कार्ल एच स्टीवेंस जूनियर

□वगा□य काल□एच □ट□व□स जू□नयर सन २००५ तक □टर □स व□ड□आउटर□च बा□ट□मोर, मेर□ल□ड के सं□थापक पा□टर थे| उ□ह□ने चार दशक□ म□ फैल□ अपनी सेवकाई के दौरान अमे□रका और □व□भ□न देश□ म□अदभुत सेवकाईय□ क□ □थापना म□खास भू□मका □नभाई क□| सन २००८ म□पा□टर □ट□वे□स क□ मृ□यु हुई| अपनी आम सेवकाई के दौरान उ□ह□ने बा□ट□मोर म□ मैर□ल□ड बाइ□बल कॉलेज ए□ड से□मनर□ क□ □थापना और ñद □स ऑवर" का □वकास □कया, जो एक एंजेल पुर□कार अजि□त रे□डयो टॉक शो है और आज भी उ□र□ अमे□रका म□ □व□भ□न मसीह□ □टेशन□ और इंटरनेट के मा□यम से सुना जाता है।

यह पु□तका पा□टर □ट□वे□स □वारा □चार □कये गए एक संदेश से बनाई गई है।

जब तक अ□यथा न □न□तृत □कया जाए, सभी कथन प□व□ शा□□ बाइबल से ह□| जोर देने के □लए इटै□ल□स हमार□ ओर से ह□|

GRACE PUBLICATIONS
6025 MORAVIA PARK DRIVE
BALTIMORE, MD 21206
कॉपीराइट 1996 ©
□स प□लके्शन □टर □स व□ड□आउटर□च क□ एक सेवकाई है।

www.ggwo.org

□ह□द□ अनुवाद□ का □काशन
www.bible-devendra.com

सामग्री की तालिका

भूमिका.. . . . . .५

अध्याय १.. . . . . .७
जबकि हम अभी पापी ही थे

अध्याय २.. . . . .१०
बस जैसे तुम हो

अध्याय ३.. .१४
प्रेम नई शुरुआत करता है

अध्याय ४.. . . . . .१८
परमेश्वर के प्रेम में कोई अगर नहीं

निष्कर्ष २६

रविवार की प्रार्थना सभा स्थल :

अथवा निम्नलिखित पते पर संपर्क करें:

ग्रेटर ग्रेस नवी मुंबई चर्च
ग्राउंड फ्लोर, मेघालय हॉउस,
सेक्टर - ३०ए, वाशी स्टेशन के
सामने, वाशी, नवी मुंबई

कीमत - 49 रुपए

भू□मका

कौन सी ताकत है जो हम□ दु□नया क□ □कसी भी चीज़ से बढकर चंगा कर सकती है? शार□□रक □प से चंगा होने के □लए हम सबकुछ करते ह□| हम अ□छे होने के □लए सबकुछ करते ह□| ले□कन चंगाई के □लए सबसे बड़ी ताकत के □वषय म□ □कतनी गलतफहमी है|

हर □य□त के जीवन क□ सबसे बड़ी ज़□रत यह है : परमे□वर □वारा □ेम □कया जाना| □या तु□ह□ पता है □क दूसर□ ज़□रत □या है? म□ तु□ह□ बताता हूँ : यह है परमे□वर □वारा □ेम □कया जाना| और म□ तु□ह□ बताऊँगा □क तीसर□ ज़□रत □या है| यह है परमे□वर □वारा □ेम □कया जाना|

□या म□ यह बात साफ़ कर द□?

ñ□ेम इस म□ नह□ □क हम ने परमे□वर से □ेम □कया; पर इस म□ है, □क उसने हमसे □ेम □कया; और हमारे पाप□ के □ाय□चित के □लये अपने पु□ को भेजा|ò (१ यूह□ना ४:१०)

ñहम इस□लये □ेम करते ह□, □क पहले उस ने हम से □ेम □कया|ò (१ यूह□ना ४:१९)

म□ चाहता हूँ □क तुम जानो □क परमे□वर का □ेम यहाँ सबसे पहले था, इस□लए हर तर□के क□ चंगाई के □लए सबसे पहल□ आव□यकता है - □बलकुल जैसे तुम हो वैसे ह□

परमेश्वर के द्वारा प्रेम किए जाओ| बिलकुल जैसे हम हैं वैसे ही परमेश्वर हमसे प्रेम करता है, और जैसे हम हैं वैसे ही वह हमसे प्रेम करता जाता है| और परमेश्वर का प्रेम कभी भी बदलाव की माँग नहीं करता, बल्कि बदलाव पैदा करता है|

यदि तुम इन पन्नों में जो कहा जा रहा है वह समझ सके, तो उसका प्रेम तुम्हारे व्यक्तिगत जीवन में, दोस्तियों में, तुम्हारी शादी में और तुम्हारे परिवार में बहुत बदलाव पैदा करेगा|

अध्याय एक

जब हम पापी ही थे

“क्योंकि जब हम निर्बल ही थे, तो मसीह ठीक समय पर भक्तिहीनों के लिये मरा। किसी धर्मी जन के लिये कोई मरे, यह तो दुर्लभ है, परन्तु क्या जाने किसी भले मनुष्य के लिये कोई मरने का भी साहस करे। परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है, कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा।” (रोमियो ५:६-८)

यीशु मसीह ने हमारे लिए अपने प्रेम को मरने के द्वारा प्रगट किया। एक पल के लिए कल्पना करो। उसने न केवल हमें प्रेम किया, उसने इसके बारे में कुछ किया। हमने कुछ भी नहीं किया। हमने पश्चाताप नहीं किया ताकि परमेश्वर को हमसे प्रेम करा सकें। उसने हमारे पश्चाताप के बिना ही हमसे प्रेम किया। क्या मैं यह सुझाव दे रहा हूँ कि हम पाप में जी सकते हैं? नहीं, मैं नहीं दे रहा हूँ। मैं कह रहा हूँ कि परमेश्वर का प्रेम बदलाव पैदा करता है, लेकिन कभी बदलाव की माँग नहीं करता।

तुम बस जैसे हो वैसे ही परमेश्वर के द्वारा प्रेम किये जाओ। परमेश्वर से प्रेम करने की कोशिश मत करो। दूसरों से प्रेम करने की कोशिश मत करो। जिस पल तुम कोशिश करोगे, असफल हो जाओगे। बस परमेश्वर द्वारा प्रेम किये

जाओ। इस प्रेम को ग्रहण करो जो तुम्हें कभी धोखा नहीं दे सकता, इस प्रेम को जो कभी तुम्हारी ओर नहीं बदलेगा।

वह प्रेम में विश्राम करता है

"तेरा परमेश्वर यहोवा तेरे बीच में है, वह उद्धार करने में पराक्रमी है; वह तेरे कारण आनन्द से मगन होगा, वह अपने प्रेम के मारे चुपका रहेगा; फिर ऊंचे स्वर से गाता हुआ तेरे कारण मगन होगा।" (सपन्याह ३:१७)

यीशु मसीह ने हमारे पापों का भुगतान करने के लिए अपना रक्त बहाया और क्रूस पर मारा गया। वह दफन किया गया और वह फिर से जी उठा और स्वर्ग चला गया। इस वजह से, परमेश्वर अब हमेशा के लिए हमारी ओर अपने प्रेम में विश्राम करता है। इसीलिये रोमियो ९:१६ हमें बताता है कि उसका प्रेम "उस पर नहीं जो चाहता है, और न ही उस पर जो दौड़ता है, बल्कि परमेश्वर पर, जो दया दिखता है" निर्भर है। यूहन्ना १:१२ कहता है, "जितनों ने उसे ग्रहण किया, उस ने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने का अधिकार दे दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं।" उसने हमें अपनी स्वयं की मर्ज़ी से "सत्य के वचन" (याकूब १:१८) के द्वारा जनमा है।

बुरे सम्बन्ध अच्छे किये गए

मैं बिलकुल व्यावहारिक बात कहता हूं। मैं एक बुरे सम्बन्ध के साथ क्या सलूक कर सकता हूँ? उसके बारे में चिंता करके? खुद को निंदा करके? उसके बारे में दोषी

महसूस करके? अपनी देह म□ एक उ□घत □दश□न करके :६ गला□तय□)१२(? नह□। जब एक स□ब□ध खराब होता है, तब म□ बस परमे□वर के वचन को सच होने देता हूँ और उसे मुझसे □ेम करने देता हूँ।

अगर म□ असफल होता हूँ, म□ परमे□वर को □वयं से □ेम करने देता हूँ। मुझम□ बदलने क□ श□त नह□ है; म□ परमे□वर को मुझे बदलने देता हूँ। □या उसका □ेम □वफल होता है? नह□, □बलकुल नह□ होता। □या वह बदल जाएगा? नह□, वह नह□ बदलेगा।

अध्याय दो
बस जैसे तुम हो

एक व्यक्ति ने हाल ही में मुझे टेलिफ़ोन किया। वह एड्स का वायरस पाए जाने की वजह से बहुत ही बुरी हालत में है। वह पंद्रह साल में तीन बार अपनी कमजोरी के द्वारा गिरा है। तीसरी बार उसे एचआईवी हो गया, और वह मरना चाहता है। जब उसने इसके बारे में अपनी पत्नी को बताया तब वह बहुत शर्मिंदा था।

लेकिन वह क्या कर सकता है? वह पहले ही उसने जो किया है उससे नफरत करता है। फ़िलहाल, इस व्यक्ति को परमेश्वर के द्वारा स्वयं से उतना ही प्रेम करने देने की जरूरत है जितना एचआईवी के पता लगने के पहले वह करता था।

परमेश्वर को हमसे प्रेम करने देना अराजकता नहीं पैदा करता। इसके विपरीत, यह हमें अभक्ति को इन्कार करना और हमारे दिलों में परमेश्वर के वचन को बहुतायत से निवास कराते हुए चुपचाप जीना सिखाता है।

सबसे खूबसूरत बात यह है कि तुम जैसे हो उसमें ही परमेश्वर को तुमसे प्रेम करने दो। मेरा उस वाक्य को दुहराने का एक कारण है, क्योंकि परमेश्वर को तुमसे प्रेम करने देना इकलौता तरीका है जिससे स्मृति और प्राण चंगे हो सकते हैं। केवल परमेश्वर को स्वयं से प्रेम करने देना

ह आम-छवय और यवहार के बदलाव हो सकने का राता है। कारण बहुत सरल है य कुछ पुष अपनी पिनय को ठक से म नह कर पाते हवे :नह समझते कैसे परमेवर के वारा म कये जाएँ।

उसके पु के वप म बदला जाना

ñऔर हम जानते ह क जो लोग परमेवर से म रखते ह उन के लये सब बात मलकर भलाई ह को उपन करती ह अथात् उह के लये जो उस क इछा के अनुसार बुलाए हुए ह। यक जिह उस ने पहले से जान लया है उह पहले से ठहराया भी है क उसके पु के वप म ह ताक वह बहुत भाइय म पहलौठा ठहरे। फर जिह उसने पहले से ठहराया, उह बुलाया भी, और जिह बुलाया, उह धम भी ठहराया है, और जिह धम ठहराया, उह महमा भी द है।ö (रोमयो ८:२८-३०)

उसके पूवान म परमेवर जानता था क मेर वत इछाशत के वारा म उसके पु पर ववास करना चुनूँगा। म धम ठहराया गयाप बनाया गया ,, और महमा मंडत कया गया यक परमेवर हमेशा मेर ओर था। और वह मेर ओर अपने म म वाम करता है यक मेरे पाप के लए पु वारा भुगतान कया गया।

कसी और चच के एक यित ने मुझे टेलफोन कया। उहने कहा, “मने तुम पर हमला कया है, मने तुमसे नफरत क है, और मने परमेवर से लड़ाई क है।

उ□तीस वष□क□ उ□ म□ म□ मर रहा हूँ और म□ प□चाताप करना चाहता हूँ।”

मने कहा, “केवल एक चीज म□ मेर□ □दलच□पी है □क तुम परमे□वर को □वयं से □म करने दो।”

उ□ह□ने कहा, “मुझे एड्स है। म□ मरने वाला हूँ।”

“बस □म पाओ, परमे□वर को □वयं से □म करने दो,” मने उसे कहा, “जिस हालात म□ तुम हो, बस □म पाओ।”

उसने गलत □कया था, ले□कन एक ह□ बात क□ उसे ज□रत थी □क वह परमे□वर के □वारा □म □कया जाए। म□ उसे □□त□दन □मलने जाता रहा और उसे बताता रहा, “परमे□वर को □वयं से □म करने दो।” बारह स□ताह के भीतर वह आदमी अ□पताल के बाहर था, और अतीत म□ वह जिस चच□ से नफरत करता था उसी म□ उसे बप□त□मा □दया गया। परमे□वर ने उसे बदल □दया। इस आदमी के □वचार, भावनाएँ, और □नणय अब परमे□वर के वचन के अनुसार □य□त हो रहे थे। उसका □दल बदल गया था; तब उसका □ाण बदल गया; और तब उसका मन बदल गया। वह अपनी प□नी जिससे कई वष□ तक लड़ता रहा था , उससे□म करने लगा; और उसने अपनी दोन□ बे□टय□ को □म करना आर□भ कर □दया। जैसे जैसे उसने चच□ से □म करना शु□ □कया, वह खोए हुओं से □म करने लगा।

इस आदमी क□ मु□य बात यह थी □क वह खुद से □म नह□ करता था। अंद□नी □प से वह खुद से □म नह□ कर पाता था, और उसे नह□ लगता था □क परमे□वर उससे □म

करता है। उसने चचम गवाह द क उसका शरर चंगा हो गया। परमेवर क मज म म ऐसा कर सकता है। भु ने बदलाव क माँग नह क, बक उसने अपने म के वारा बदलाव पैदा कया।

जितना अधक म खुद को पर ण म डाले बना परमेवर को वयं से म करने देता हूँ, जितना अधक म असफलता के डर के बना परमेवर को वयं से म करने देता हूँ ,जितना अधक म दूसर क ओर आ ोशत और गुसा हुए बना परमेवर को वयं से म करने देता हूँ, तो उतना ह अधक मेरे जीवन म सब कुछ चंगा हो जाता है। परमेवर क भुता म ,म चंगा हो जाऊँगा ,फक नह पड़ता क सम या या है। मेरा दल, मेरा ाणऔर मेर , भावनाएँ, बस परमेवर को मुझसे म करने देने से चंगे हो जाएँगे।

अध्याय तीन
प्रेम नई शुरुआत करता है

बारह वर्षीय एक लड़की अपने दिल दहलाने वाले घरेलू जीवन के विषय में मेरे पास आई। उसके माता पिता शायद ही कभी घर पर होते थे; उनमे से एक सप्ताहांत पर बाहर निकल जाता था। चिल्लाना और लड़ना आम बात थी। वहाँ शराबीपन था। उसने मुझसे कहा, “मैं घर जाने से डरती हूँ क्योंकि मैं नहीं जानती कि मैं क्या करूं। आप मेरे पास्टर हैं, क्या आप मेरे घर आ सकते हैं?”

मैं उस घर को गया। बहुत अनोखे तरीके से, लड़की ने अपने पिता से कहा :“मैं चाहती हूँ कि आप पास्टर की बात सुनें।” तो मैं उससे बात करने लगा। “क्या तुम्हें पता है कि हजारों साल पहले, यीशु जानता था कि मैं आज परमेश्वर के सेवक के रूप में यहाँ आऊँगा?” मैंने उसे बताया, “महोदय, अगर मैं शब्दों में बयान कर पाता कि परमेश्वर तुमसे इस वक्त कितना प्रेम करता है, तो मैं ज़रूर करता। यदि मैं उसके प्रेम को शब्दों में डाल पाता और अगर तुम संभवतः उस पर विश्वास कर पाते, तो इस घर में चीजें बदल जातीं।”

उसने मुझे बताया कि वह परिवार कितना बेकार और विनाशकारी था। “यह सच है,” मैंने कहा। “लेकिन पहले मैं चाहता हूँ कि तुम परमेश्वर को स्वयं से प्रेम करने दो ,

दोषारोपण के □बना। म□ तु□ह□ अपनी पीने क□ आदत□ म□ बदलाव लाने के □लए भी नह□ कहूँगा। बस परमे□वर को □वयं से □ेम करने दो।ö वह वह□ एक ब□चे क□ तरह रोया।

उस रात, चच□ के बाद, हम बाहर गए और उस आदमी ने यीशु मसीह को □वीकार □कया। उसने □फर कभी शराब नह□ पी। बाद म□ उसक□ प□नी ने उ□धारकता□ को □वीकार □कया। उ□ह□ने एक साथ बप□त□मा □लया और उस बारह वष□य लड़क□ के □लए वह उसके जीवन का खास □दन था। प□रवार ने अपनी त□वीर □खंचवाई और मुझे द□। □कतनी अदभुत गवाह□ है इस बात क□ □क परमे□वर को □वयं से □ेम करने देना □या कर सकता है।

□वगत को भूलना

म□ उस घर म□ इस□लए नह□ गया □क चचा□ कर सकूं □क □पता □कतना बुरा था। आनुवं□शक, मान□सक और भावना□मक □प से जो हालात□ थी, हम उनके तरह तरह के कारण खोज सकते थे। ले□कन म□ वहाँ यह कहने गया □क परमे□वर ने उस □य□□त को अपनी छ□व म□ बनाया था और उसे यह बताने □क परमे□वर उस □ण म□ उसके साथ □कतने □ेम म□ था। पाप□ क□ कोई चचा□ नह□ क□ गई। म□ने परमे□वर के □ेम को प□चाताप पैदा करने का मौका □दया। उस छोट□ लड़क□ का □पता बदला गया और उसे एक □बलकुल नई शु□आत द□ गई।

परमे□वर के □ेम ने एक नई आ□म छ□व को पैदा □कया।

परमेवर के ेम ने एक नई जागकता को पैदा या।

परमेवर के ेम ने वास को पैदा या।

परमेवर के ेम ने आशा को पैदा या।

परमेवर के ेम ने कणा को उजागर या।

परमेवर के ेम ने अनुह को उजागर या।

इन माता मता ने उसके ेम को यतगत बनाया। उहने इसे आतक बनाया। परमेवर का ेम उह दान या गया, और यह उनका एक हसा बन गया। या यह सी अचरज क बात है १ कुथय १३ ८: कहता ह ेम कभी नफल नह होता?

काश मआगे लाए गए

ñमने यहोवा के व ध पाप या है, इस कारण म उस समय तक उसके ोध को सहता रहूंगा जब तक वह मेरा मुकदमा लड़कर मेरा याय न चुकाएगा। उस समय वह मुझे उजियाले म नकाल ले आएगा, और म उसका धमदेखूंगा।ò (मीका ७:९) जब नबी मीका यह लख रहा थातब वह नीचा महसूस कर रहा था ,। उसने पाप या था, लेन वह अपनी ओर परमेवर के ेम को समझता था। वह जानता था परमेवर उसके साथ ठ वहाँ नीचे था। मीका जानता था वह ेम क रोशनी क वजह से वापस आएगा और वह मा ात करेगा।

परमेवर का ेम आवत देता है परमेवर तुम जैसे हो उसी हालत मतुहेम करता हैबना शत के ,

एक पापी के ▯प म▯ जब तुम धम▯ ▯ट हो, तब यह तुमको धम▯ ठहराता है रो)▯मयो ४:५(। यह तु▯ह▯ ▯यव▯था और कम▯ के बाहर धम▯ बनाता है :४ रो▯मयो)६ । यह(तु▯ह▯ प▯व▯ बनाता है। अपने ▯म के ▯वारा, यीशु तु▯हारे ▯लए “धा▯म▯कता, और प▯व▯ीकरण, और छुटकारा” बनाया गया)१ कु▯र▯थय▯ १:३०(। परमे▯वर का ▯म आ▯व▯त देता है ▯क तुम पर ▯कसी अ▯य पाप का कभी इलज़ाम नह▯ लगाया जाएगा। वो यह भी आ▯व▯त देता है ▯क अगर तुम पाप म▯ जार▯ रहे, तो परमे▯वर का ▯म ▯म क▯ *वजह से* ,न ▯क ▯म के बाहरतु▯हारा अनुशासन करेगा ,। अनुशासन र▯ा के ▯लए, मसीह का मन ▯दान करने के ▯लए, और अंततः आशीवाद के ▯लए आता है।

अध्याय चार

मेश्वर के प्रेम में कोई अगरपर नहीं

"यहोवा ने मुझे दूर से दर्शन देकर कहा है; हाँ, मैंने तुझ से एक सनातन प्रेम से प्रेम किया है; इस कारण मैंने अपनी करुणा से तुझे खींचा है।" (यिर्मयाह ३१:३)

जब परमेश्वर ने यह कहा, तब इसराइल देश मूर्तियों की पूजा कर रहा था। उसने यह नहीं कहा, "मैं तुमसे प्रेम करूँगा अगर तुम सुधर जाओगे।" उसने यह नहीं कहा, "मैं तुमसे प्रेम करूँगा अगर तुम मूर्तियों की पूजा बन्द कर दोगे।"

नहीं, परमेश्वर ने कहा, "मैंने तुमको एक चिरस्थायी प्रेम से प्रेम किया है।" हमारे संबंधों में कितने सारे "अगर" होते हैं- इतने सारे "अगर" कि मानसिक और भावनात्मक चंगाई में बाधा लाते हैं और कभी कभी शारीरिक चंगाई रोक देते हैं। परन्तु परमेश्वर यह नहीं कहता, "मैं तुम्हें प्रेम करूँगा *अगर*..... । "वह कहता है, "मैंने तुम्हें प्रेम किया है, यहाँ तक कि तब भी जब तुम थे 'रकहीं दूर'।"

जब गुमराह पुत्र दूर देश में "कहीं दूर"था, तब क्या पिता ने अपने पुत्र से उतना ही प्रेम नहीं किया जितना तब करता था जब वह बिलकुल घर में था? हाँ, उसने किया। पिता का प्रेम तब भी नहीं बदला जब गुमराह पुत्र पाप में जी रहा था। उसका प्रेम बस धैर्यपूर्वक अपने बेटे

को अनु ह देने का इतज़ार करता रहा। जब उसक इछाशित ने फैसला किया कि घर वापस जाने का समय आ गया है, बस वह जैसा ह था वैसे ह गुमराह पु ने मा और शुधीकरण ात किया। पता ने उसे एक अंगूठ, एक बागा, नए जूते दए और घर म वागत का एक समारोह किया। उहने उसव के लए मोटा बछड़ा मार डाला, और यह सब इस वज़ह से हुआ यक बेटा जिस अवथा म था उसी म घर लौट आया)लूका १५:११-२४(।

समाज म जो कुछ हुआ है उसके बारे म सोचो। आजकल चल रहे पाप क गहराइय पर वचार करो। परवार और यितय म हो रह भयानक वकृत पर वचार करो। आजकल चल रह सब बात के बीच मानव जात क सबसे बड़ी जरत यह समझना है क परमेवर हम कतना ेम करता है। पाप से नपटना सबसे वशाल मुदा नह है। परमेवर तुह कतना ेम करता है, उसके साथ नपटो; और परमेवर का ेम पाप के साथ नपटेगा। परमेवर का ेम बदलाव पैदा करेगा।

दल मउड़ेला गया

ôऔर आशा से लज़ा नह होती, यक पव आमा जो हम दया गया है उसके वारा परमेवर का ेम हमारे मन मउड़ेला गया है।ö (रोमयो ५:५)

पव आमा परमेवर का ेम दल म उड़ेलता है और ेम पव आमा का फल है। जब म उसका ेम

□हण करता हूँ, जिसका वा□ता □सफ□ उसके मेर□ ओर के □ेम के साथ है, तो मुझम□ परमे□वर क□ मनोवृ□□ काय□भार ले लेती है। तब उसका □वभाव आ जाता है। स□भव है □क म□ यह एहसास भी नह□ं कर रहा हूँ ले□कन उसक□ □कृ□त , के आने और मेरे साथ समागम और संग□त शु□ करने के □वारा मझुसे □ा□त करता जाता हूँ। और परमे□वर का □वभाव कभी पाप नह□ं करता है।

□दशा बदलना

ñजिनम□ तुम प□हले इस संसार क□ र□□त पर, और आकाश के अ□धकार के हा□कम अथा□त् उस आ□मा के अनुसार चलते थे, जो अब भी आ□ ा न माननेवाल□ म□ काय□ करता है। इनम□ हम भी सब के सब प□हले अपने शर□र क□ लालसाओं म□ □दन □बताते थे, और शर□र और मन क□ मनसाएं पूर□ करते थे, और अ□य लोग□ के समान □वभाव ह□ से □ ोध क□ स□तान थे।

ñ*पर□तु* परमे□वर ने जो दया का धनी है; अपने उस बड़े □ेम के कारण, जिस से उसने हम से □ेम □कया, जब हम अपराध□ के कारण मरे हुए थे, तो हम□ मसीह के साथ जिलाया (अनु□ह ह□ से तु□हारा उ□धार हुआ है(, और मसीह यीशु म□ उसके साथ उठाया, और □वग□य □थान□ म□ उसके साथ बैठाया।ò (इ□फ□सयो २:२-६)

तुम □कसम□ चल रहे हो उससे कोई फक□ नह□ं पड़ता। अतीत के समय म□, हम सब इस द□ुनया क□ र□□त के अनुसार चलते थे। अव□ ा के संतान□ के □प म□ हम सब

हवा की शक्ति के राजकुमार द्वारा नियंत्रित थे। परन्तु दया में समृद्ध, अनुग्रह में समृद्ध परमेश्वर के पास एक महान प्रेम है ,“जिससे उसने हमें प्रेम किया”)इफिसियो २:४(। और उस प्रेम के द्वारा परिवर्तन आते हैं। हर विश्वासी के लिए, परमेश्वर का प्रेम हमारी तरफ था। हमें कितना प्रेम किया गया, यह पता लगने पर हम यीशु मसीह पर विश्वास के द्वारा अनुग्रह से उद्धार में आए। वह हमारे जीवन में आया; और पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा का प्रेम आन्तरिक और व्यक्तिगत हो गया।

प्रेम की लहरें हर दिन तुम्हारे शरीर की कोशिकाओं में प्रवाह कर सकती हैं। यह मानवीय भावना नहीं है; यह ईश्वरीय प्रेम है।

“मैंने सही नहीं किया है” तुम कहते हो।

तुमने जो गलत किया है उसके लिए बस परमेश्वर के प्रेम को स्वीकार करो।

“मैं आत्मिक नहीं महसूस करता।”

प्रेम स्वीकार करो भले ही तुम कुछ भी महसूस नहीं करते।

बस उसका प्रेम ग्रहण करते रहो, और यह केवल प्रेम नहीं बल्कि आनन्द, शांति, सहनशीलता, धीरज, ईश्वरीय भलाई, सज्जनता, विश्वासयोग्यता, नम्रता, और संयम भी पैदा करेगा।

□म का आसान जूआ

òहे सब प□र□म करनेवाल□ और बोझ से दबे लोग□, मेरे पास आओ; म□ तु□ह□ □व□ाम दूंगा। मेरा जूआ अपने ऊपर उठा लो; और मुझ से सीखो; □य□क म□ न□ और मन म□ द□न हूंऔर तुम अप :ने मन म□ □व□ाम पाओगे। □य□क मेरा जूआ सहज और मेरा बोझ हलका है।ò (म□ी ११:२८-३०)

□या तु□ह□ पता है □क उसका जूआ □या है? यह □म है। जब म□ अपने ऊपर उसका जूआ लेता हूँ, म□ तो बस अपने ऊपर उसका □म लेना चुन रहा हूँ। ñ□म इस म□ नह□ □क हम ने परमे□वर से □म □कया; पर इस म□ है, □क उसने हमसे □म □कया; और हमारे पाप□ के □ायि□च□ के □लये अपने पु□ को भेजा। ...हम इस□लये □म करते ह□, □क प□हले उसने हमसे □म □कया।ò (१ यूह□ना ४:१०, १९) कोई आ□चय□ नह□ है □क उसका जूआ आसान है। कोई आ□चय□ नह□ है □क उसके बारे म□ सीखना मेरे □ाण म□ □व□ाम पैदा करता है। □पता अपने □म म□ □व□ाम कर रहा है स)प□याह ३(१७:। म□ जूआ लेता हूँ। म□ यीशु को मुझे, बस जैसा हूँ वैसे म□ ह□, □म करने देता हूँ। और □फर वह मुझम□ अपने □म क□ श□ि त, □म क□ गा□तशीलता, □म के □व□वास, कृमा, और उप□ि थ□त के कारण प□रवतन□ पैदा करता है। अंत म□, प□रवतन□ आता है और म□ चंगा हो जाता हूँ।

पहले अपने आप को म करो

परमेवर के म का एक म है। मुझे पहले दूसर को म नह करना है; मुझे पहले अपने आप को म करना है। मपरमेवर से भी तब तक म नह कर सकता जब तक मवयं से म न क। मुझे परमेवर को वयं से म करने देना होगा। यह इसी तरक़े से होता है। सबसे पहले, मपरमेवर को मुझसे म करने देता हूँ। दूसरा, म अपने आप को म करता हूँ। तीसरा, मपरमेवर से म करता हूँ और अंततः, मतुहे और बाक सब को - मेरे दुमन को भी, म करने के लए अयंत वतं होता हूँ।

जब तुम अपने आप को म करते हो, तब एक नई आम-छव, एक नई आम-जागकता आती है। तुम वशेष होने क एक नई भावना, और मसीह के लहू वारा पवीकरण के कारण परमेवर के सम धम बनाए जाने का एक नया आभास हण करते हो। तुहारे और परमेवर के बीच कुछ नह होता है। तुहारे और कसी और के बीच कुछ भी नह होता है। तुहे म कया गया है और तुम पव आमा क शत म म करते हो। म भावुकता या दैहकपन के बारे म बात नह कर रहा हूँ, म उसके बारे म बात कर रहा हूँ जिसका बाइबल वणन करती है, उस म के बारे म जो हमसे परमेवर ने कया, जब हम पापी थे।

ओह, या यह कसी अचरज क बात है क दाऊद ने कहा क भु क कणाएं महान ह)२ शमूएल २४(१४:?

□या यह □कसी अचरज क□ बात है □क पतरस ने उसे ñसारे अनु□ह का परमे□वर”)१ पतरस ५कहा (१०:? पॉलुस ने उसे “दयाओं का □पता, सार□ सा□□वनाओं का वह परमे□वर”)२ कु□र□थय□ १कहकर पुकारा (३:।

“इ□ाह□म,” परमे□वर ने कहा ,“तुमने मुझसे तेरह साल के □लए बात□नह□ क□, ले□कन म□तुमसे □ेम करता हूँ।”

“याकूब। तुम बीस साल के □लए दूर चले गए और पीछे हट गए। ले□कन म□अभी भी तुमसे □ेम करता हूँ और म□तु□हारा उपयोग क□ँगा (३२ उ□प□)।”

“□ग□दोन। तुम छुप रहे हो और तुम इ□तेमाल नह□ □कया जाना चाहते,” वह कहता है ,“ले□कन म□तुमसे जहाँ तुम हो वह□□ेम करता हूँ। म□तु□हारे डर को शा□त क□ँगा और एक महान □वजय लाऊँगा (६ □या□यय□) ।”

“□शमशोन। तुमने दल□ला के साथ गलत □कया। ले□कन म□तुमसे □ेम करता हूँ। अब अपनी श□□त वापस लो और अपने दु□मन□ को न□ट करो (१६ □या□यय□)।”

“पतरस। तुमने मुझे नकारा और वह करते हुए तुमने मुझे अपश□द भी कहे। साव□ज□नक □प से तुमने मुझे छोड़ □दया, ले□कन म□तुमसे □ेम करता हूँ। प□व□ आ□मा के तुम पर आने के बाद तुम बड़ी भीड़ को यह महान स□देश □चार करोगे (१ □े□रत□ के काम)।”

“पॉलुस। तुमने मसी□हय□ क□ ह□या क□। तुमने □□तफनुस का प□थरवाह होते गौर से देखा। □फर भी, म□ने तु□ह□ □ेम □कया। म□ने तु□ह□ उ□धार □दया और म□ तु□हे

अ□यजा□तय□ के बीच परा□ म से उपयोग क□ंगा □□रत□ के)
(२२ काम।ò

यूह□ना १३म□ १:, बाइबल कहती है □क उसने “उ□ह□ अ□त तक □म □कया।” इसका □या मतलब है? अ□त? इसका मतलब यह है □क यीशु मसीह के उसके चेल□ के □लए □म को कोई भी चीज़ नह□ बदल सक□। वे वापस चले गए। उ□ह□ने उसका इ□कार कर □दया। उ□ह□ने उसे तब छोड़ □दया जब उसे उनक□ सबसे □यादा ज□रत थी, ले□कन उससे उसका □म नह□ बदला। वह उनसे अ□त तक □म करता रहा, वैसे ह□ वह तु□ह□ और मुझे भी अ□त तक □म करता रहेगा।

□न□कष□

òऔर मुझे इस बात का भरोसा है, □क जिस ने तुम म□ अ□छा काम आर□भ □कया है, वह□ उसे यीशु मसीह के □दन तक पूरा करेगा।ò (□फ□ल□पय□ १:६)

य□द तुम पाप म□ फंसे हुए हो, तुम जहाँ हो वह□ परमे□वर को तुमसे □ेम करने दो, और उसे अपने जीवन म□ एक शु□ध प□रवतन□ पैदा करने दो। मु□दा □सफ□ उसके □ेम के □□यु□र देने का है, बस इतना ह□। मेर□ □सफ□ इतनी उ□मीद है □क इन श□द□ ने तु□हे उसे □वयं से □ेम करने देने और आगे बढ़ते जाने के □लए उकसाया हो।

परमे□वर □ेम है। वह पूरा □माशील है। मुझे माफ कर □दया गया है, तु□ह□ माफ कर □दया गया है। हम□ शु□ध □कया गया है, □व□वास के □वारा शु□ध। उसका □ेम कभी असफल नह□ होता और हम□ बदलने म□ कभी असफल नह□ रहता है। उससे बढ़कर, उसका □ेम हमारे मा□यम से दूसर□ को बदलने म□ कभी असफल नह□ होगा। यह इस दु□नया म□ सबसे ग□तशील श□त है; तो चलो इसे खुला छोड़ द□!

परमे□वर सच म□तु□हार□ परवाह करता है

यीशु तुमसे गहरा □म करता है। बहरहाल, यह त□य □क सभी ने पाप □कया है, हम□परमे□वर से अलग करता है (रो□मयो ३:२३; ६:२३)। □फर भी, परमे□वर तु□हारे □लए परवाह करता है और वह अपना □म तु□हारे साथ बाँटने के □लए एक तर□का □दान करता है।

इ□सान के □लए यीशु मसीह का □म इतना महान था □क वह आया और मानव जा□त के सभी पाप□ के □लए □ूस पर मरा। उसने तु□हारे □लए अपना लहू बहाया जिससे तुम □मा पा सको और अन□त जीवन पाओ।

इकलौती चीज जो वह तुमसे माँगता है □क तुम साधारण □व□वास म□ अपनी ओर उसके च□र□ और □म पर भरोसा करते हुए और उसे अपने उ□धारकता□के □प म□□वीकार करते हुए, उसके पास आओ। ñजो कोई भी □भु के नाम को पुकारेगा, वह बचाया जाएगा।ò (□े□रत□ के काम २:२१)

बस □ाथ□ना कर□, *“□□य यीशु, म□जानता हूँ □क म□एक पापी हूँ। म□ तु□ह□ अपने □य□तगत उ□धारकता□ के □प म□□वीकार करता हूँ। मुझे इतना □म करने के □लए ध□यवाद □क तुमने मेरे □लए जान द□ जिससे म□ तु□हारे साथ अन□त जीवन □बता सकता हूँ, आमीन।”*

वह वादा करता है □क वह कभी तु□हे □म करना बंद नह□ करेगा और न ह□ वह कभी तु□ह□ छोड़ेगा या □यागेगा (इ□ा□नय□ १३:५)। बाइ□बल पढ़ने, □ाथ□ना करने, और एक अ□छे बाइबल पर □व□वास करने वाले चच□म□ भाग लेने के □वारा उसके साथ अपने संबंध का □वकास कर□।

अ□धक जानकार□ के □लए संपक□ कर□: □टर □ेस नवी मु□बई चच□

वेबसाइट: www.ggwoindia.com

हिंदी अनुवादित संस्करण के विषय में

इस पुस्तिका की आत्मिक जीवन में कीमत को ध्यान में रखते हुए ग्रेटर ग्रेस नवी मुंबई चर्च की टीम के सदस्यों के योगदान से इसका अनुवाद और प्रकाशन किया गया है। स्थानीय तौर पर अधिक जानकारी के लिए आप हमें संपर्क कर सकते हैं

ई-मेल: devendra98@gmail.com

वेबसाइट: www.bible-devendra.com

आत्मिक परामर्श के विषय में: www.ggwoindia.com

ग्रेटर ग्रेस कलीसिया के विभिन्न स्थानों पर चर्च, प्रार्थना सभाएं, बाइबल स्कूल, यूथ सेवकाई, काउंसेलिंग सेवकाइयां हैं। कृपया जानकारी के लिए संपर्क करें:

मुंबई एवं उत्तर भारत : www.ggfmumbai.org

बंगलुरु एवं दक्षिण भारत : www.ggfblr.org

पा□टर काल□एच □ट□वस क□ □ह□द□ पु□तकाओं क□ सूची :

बस परमे□वर को □वयं से □ेम करने दो
□□त□दन भोर म□ परमे□वर से मुलाक़ात
परमे□वर से खुलकर □हण करो
प□व□ आ□मा से तु□हारा स□ब□ध कैसा है
बीमा □याय आसन: दुःख या आन□द म□□□तु□त
□संहासन के श□द
साजिश का उ□थान

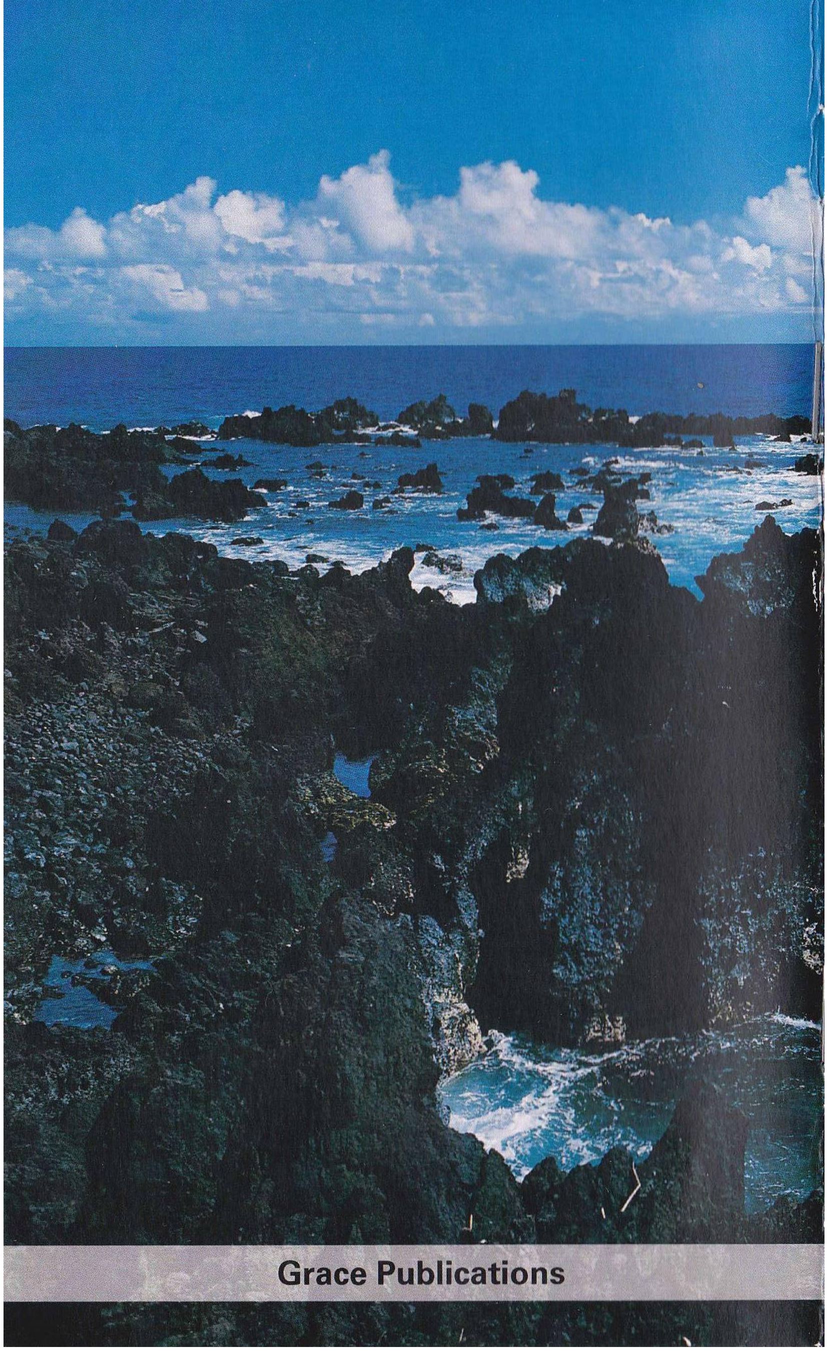
Grace Publications